आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

# दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 227 | उज्जैन, सोमवार 07 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी

### श्रावण की प्रत्येक सवारी की होगी अलग-अलग थीम पहली सवारी की थीम होगी वैदिक उद्घोष

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप इस बार भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी। आगामी श्रावण-भादो-मास में भगवान श्री महाकालेश्वर की निकलने वाली सवारियों की अलग-अलग थीम होगी और पहली सवारी वैदिक उद्घोष की थीम पर होगी। सावन माह में प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी होगी।

भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रथम सवारी 14 जुलाई, द्वितीय सवारी 21 जुलाई, तृतीय सवारी 28 जुलाई, चतुर्थ सवारी 4 अगस्त, पंचम सवारी 11 अगस्त और राजसी सवारी 18 अगस्त को निकाली जाएगी। प्रथम सवारी में पालकी में श्री मनमहेश, द्वितीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर श्री मनमहेश, तृतीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश और गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव, चतुर्थ सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव और नंदी रथ पर श्री उमा महेश, पांचवी सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव नंदी रथ पर श्री उमा महेश और रथ पर श्री होलकर स्टेट और राजसी सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर ,हाथी पर श्री मन महेश, गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव नंदी रथ पर श्री उमा महेश, रथ पर श्री होलकर स्टेट और रथ पर श्री सप्तधान मुखारविंद के रूप में भगवान विराजित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश अनुसार इस बार सवारियों में विशेष आयोजन किए जाएंगे। प्रत्येक सवारी की थीम अलग-अलग होगी। प्रथम सवारी वैदिक उद्घोष थीम पर निकाली जाएगी। इस दौरान रामघाट और दत्त अखाड़ा पर बटुकों द्वारा भव्य वैदिक उद्घोष किया जाएगा और बटुकों द्वारा सवारी मार्ग में वैदिक उद्घोष किया जायेगा। इसी के साथ विभिन्न जनजातियों के समूहों द्वारा भगवान श्री महाकाल की सवारी में मनमोहक प्रस्तुती दी जायेगी।

## केरल में पैर पसार रहा निपाह वायरस, निगरानी में रखे गए 425 लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस ने कहर बरपाया हुआ है। इसके चलते 425 लोगों पर निगरानी रखी गई है। इस बात की पुष्टि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने की। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में पलक्कड़ में 110 और कोझिकोड में 87 लोग निगरानी में रखे गए हैं। एक शख्स का टेस्ट नेगेटिव आया है।

प्रभावित इलाकों में व्यापक निगरानी और रोकथाम के उपाय शुरू कर दिए गए हैं। मलप्पुरम में इस प्रकोप का पता लगाने और आगे फैलने से रोकने के लिए फील्डवर्क शुरू कर दिया गया है। मक्करापारम्बा, कुरुवा, कूट्तिलांगडी और मांकडा की पंचायतों के 20 वार्डों में निगरानी अभियान चलाया गया है। कुल 65 टीमों ने घर-घर जाकर जागरुकता अभियान चलाया और 1655 घरों का दौरा किया।

इस टीम का नेतृत्व डॉ. एनएन पामीला ने किया और सीके सुरेश कुमार, एम. शाहुल हमीद और डॉ. किरण राज ने सपोर्ट किया। टीम ने जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेणुका को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। पलक्कड़ में एक शख्स को आइसोलेशन में रखा गया है, जबकि 61 स्वास्थ्य कर्मियों की पहचान करीबी संपर्क के रूप में की गई।

## और आप हरियाणा में डिज्नी लैंड बनाना चाहते हैं? गुरुग्राम में गंदगी देख भड़के जेट एअरवेज के पूर्व सीईओ संजीव कपूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेट एअरवेज के पूर्व सीईओ संजीव कपूर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर करके गंदगी के खिलाफ मुहिम छेड़ दी है। यह तस्वीरें हरियाणा के मशहूर शहर और दिल्ली एनसीआर का हिस्सा माने जाने वाले गुरुग्राम की हैं। गुरुग्राम में गंदगी का जिक्र करके संजीव कपूर ने गुरुग्राम नगरपालिका को जमकर लताड़ लगाई है।

संजीव कपूर ने गुरुग्राम के सेक्टर 44 में जमा कचरे की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं, जिसके बाद कमेंट सेक्शन में ऐसी ही तस्वीरों की बाढ़ आ गई।

संजीव कपूर का पोस्ट वायरल - सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए संजीव कपूर ने लिखा, यह तो पहले से भी अधिक खराब हो गया है। शर्म करो। यहां जमीन की नहीं बल्कि टैक्स देने वाले लोगों और गायों की भी बेकदरी हो रही है। ऐसे में आप हरियाणा में डिज्नी लैंड बनाने का सपना देख रहे हैं? यह कितना हास्यपद है।

पीएम मोदी को किया टैग- संजीव कपूर ने गुरुग्राम में कचरे के साथ-साथ आसपास खड़ी गायों की भी तस्वीरें शेयर की हैं।

## कभी भी हो सकता है वर्ल्ड वॉर, रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच नितिन गडकरी ने क्यों कहा ऐसा? बोले- सुपरपावर देशों के कारण संघर्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को रूस-यूक्रेन और इजरायल-ईरान युद्धों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुपरपावर देशों के अधिनायकवाद और तानाशाही के कारण समन्वय, सामंजस्य और प्रेम गायब हो रहे हैं और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है।

बियॉन्ड बॉर्डर्स पुस्तक के विमोचन के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध किसी भी समय भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी उन्नतियों ने मानवता की रक्षा करना और भी कठिन बना दिया है।

भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर- गडकरी ने कहा, इजरायल और ईरान के बीच तथा रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के बीच दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। स्थिति ऐसी है कि इन दोनों चल रहे युद्धों के संदर्भ में किसी भी समय विश्व युद्ध होने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि युद्ध के आयाम उन्नत तकनीक के कारण बदल गए हैं, जिसमें मिसाइलों और ड्रोन का बढ़ता उपयोग शामिल है, जो टैंकों और अन्य प्रकार के विमानों की प्रासंगिकता को कम कर रहा है। गडकरी ने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाले भारत को बुद्ध की भूमि बताते हुए अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

वैश्विक स्तर पर चर्चा की बताई जरूरत- भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, इन सबके बीच, मानवता की रक्षा करना कठिन हो गया है। अक्सर, नागरिक बस्तियों पर मिसाइलें दागी जाती हैं।

## पूर्व CJI डीवाई चंद्रचूड़ पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे डीवाई चंद्रचूड़ को भला कौन नहीं जानता? उन्हें रिटायर हुए 8 महीने बीत चुके हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना सरकारी आवास खाली नहीं किया है। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने जल्द से जल्द पूर्व CJI से बंगला खाली करवाने का आदेश दिया है। वहीं, डीवाई चंद्रचूड़ ने भी बंगला खाली करने की वजह साफ बताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिखी चिट्ठी- सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने 1 जुलाई को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखते हुए तुरंत बंगला खाली करवाने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने नोटिस में कहा- आपसे आग्रह किया जाता है कि कृष्णा मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर 5, आदरणीय डीवाई चंद्रचूड़ जी से बिना किसी देरी के खाली करवाया जाए। 2022 के नियम 3बी के अनुसार उन्हें अतिरिक्त 6 महीने तक बंगले में रहने की अनुमति थी। यह अवधि 10 मई 2025 को खत्म हो गई थी। उन्हें 31 मई 2025 तक अतिरिक्त समय के लिए बंगले में रहने की इजाजत दी गई थी।

क्या है पूरा मामला- बता दें कि डीवाई चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे। वो 10 नबंर 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। हालांकि, रिटायरमेंट के बाद भी उन्होंने अपना टाइप 8 बंगला नहीं छोड़ा।

## विरुदुनगर के पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त विस्फोट, 1 की मौत; 5 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के शिवकाशी शहर के नजदीक रविवार को हिंदुस्तान फायरवर्क्स यूनिट पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हुआ। धमाके की चपेट में आ जाने की वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं, पांच लोग घायल हैं।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 50 वर्षीय एम. बालगुरुसामी के रूप में हुई है, जो तिरुथंगल के रहने वाले थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि मजदूर का शरीर फट गया। वहीं, पांच मजदूरों को चोटें आई हैं।

## शायद 40 साल और जिंदा रहूं..., 90वें जन्मदिन पर क्या बोले दलाई लामा? पीएम मोदी ने भी दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा आज 90 वर्ष के पूरे हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में दलाई लामा का 90वां जन्मदिन बेहद धूमधाम से मनाया गया। वहीं, जन्मदिवस के खास मौके पर दलाई लामा ने और 40 साल तक जिंदा रहने के संकेत दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दलाई लामा को जन्मदिन की मुबारकबाद दी है।

दलाई लामा ने अपने 90वें जन्मदिन पर खास संदेश साझा किया है। दलाई लामा का यह संदेश उनके एक्स अकाउंट पर भी मौजूद है।

पीएम मोदी ने दी बधाई- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दलाई लामा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, मैं 140 करोड़ देशवासियों के साथ दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं। वो प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के प्रतीक हैं। हम आपके बेहतर स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं।

दलाई लामा के 90वें जन्मदिन का संदेश- दलाई लामा ने कहा, अपने 90वें जन्मदिन के मौके पर, मुझे लगता है कि तिब्बत समेत दुनिया की अलग-अलग जगहों पर मेरे शुभचिंतक और दोस्त इस दिन पर जश्न मना रहे हैं। मैं सिर्फ एक बौद्ध साधु हूं। आमतौर पर मैं जन्मदिन नहीं मनाता हूं। हालांकि, आप लोगों ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है, इसलिए मैं भी कुछ शब्द कहना चाहता हूं।

दलाई लामा के अनुसार, शोहरत के लिए मेहनत करना अच्छी बात है, लेकिन उतना ही जरूरी है दिमाग की शांति और सुकून पर ध्यान देना। जहां तक मेरा सवाल है, मैं मानवीय मूल्यों और धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए काम करता रहूंगा। मैं बुद्ध और शांतिदेव जैसे भारतीय गुरुओं की शिक्षाओं के माध्यम से अपने इस संकल्प को मजबूत करता हूं।

उम्र पर दिया बयान- अपनी उम्र पर बात करते हुए दलाई लामा कहते हैं कि उन्हें उम्मीद है वो अगले 40 साल तक और जिंदा रहेंगे। दलाई लामा के अनुसार, मैं आशा करता हूं कि अभी 130 साल तक जिंदा रहूंगा। हमने अपना देश खो दिया और भारत में निर्वासन कर रहे हैं, लेकिन धर्मशाला में रहते हुए मैं सभी लोगों और धर्म की यथासंभव सेवा करता रहूंगा।

# नई पार्टी तो बना ली, लेकिन राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकेंगे एलन मस्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा कर दी है। मस्क ने कहा है कि उन्होंने अमेरिका पार्टी बनाने का फैसला किया है। मस्क ने यह घोषणा करने से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोल भी किया था। इस पोल में 66 प्रतिशत लोगों ने कहा था कि वो अमेरिका में नई पॉलीटिकल पार्टी चाहते हैं।

मस्क ने अपनी पार्टी की घोषणा करते हुए रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक (अमेरिकी को दो मुख्य राजनीतिक पार्टियां) को आड़े हाथों भी लिया। उन्होंने कहा कि जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी।

सवाल ये है कि कुछ महीनों पहले तक जिस एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था, वो अब नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने की घोषणा क्यों की?

इसके पीछे सबसे बड़ी वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का महत्वाकांक्षी 'वन बिग ब्यूटिफुल बिल' है, जो अमेरिकी संसद से पास हो गया है। बिग ब्यूटिफुल बिल को टैक्स छूट और व्यय कटौती विधेयक के नाम से जाना जाता है।

मस्क ने कहा- बिग ब्यूटिफुल बिल की वजह से अमेरिका कर्ज के दलदल में और फंस जाएगा। इस बिल में टेस्ला जैसी कंपनियों को मिलने वाली इलेक्ट्रिक व्हीकल और ग्रीन एनर्जी सब्सिडी खत्म कर दी गई, जिसकी वजह से मस्क की कंपनियों को बड़ा नुकसान होगा।

मस्क का मानना है कि ये बिल प्रदूषण फैलाने वाले फॉसिल फ्यूल और मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज को फायदा पहुंचा रहा है, जबकि टेक्नोलॉजी और इनोवेशन सेक्टर को नुकसान। इतना ही नहीं टेस्ला के सीईओ ने धमकी दी है कि वो इस बिल का समर्थन करने वाले सांसदों के खिलाफ प्राइमरी चुनौती में उतरेंगे।

क्या है मस्क की पार्टी का एजेंडा- भले ही मस्क ने अपनी नई पार्टी का एजेंडे दुनिया से साझा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने साफा कहा है कि हमारी पार्टी राजनीतिक स्वतंत्रता और सिस्टम की आजादी की बात करेगी। वहीं, पार्टी टैक्सपेयर के पैसों के इस्तेमाल, शासन कुशलता और टेक्नोलॉजी आधारित गवर्नेंस पर फोकस करेगी।

जब ट्रंप-मस्क के बीच छिड़ी जुबानी जंग- मस्क की नाराजगी पर ट्रंप ने कहा कि जब हमने अनिवार्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के कानून में कटौती करने की बात कही तो मस्क को दिक्कत होने लगी। मैं मस्क से बहुत निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है। इसके बाद मस्क ने ट्रंप को एहसान फरामोश तक बता डाला। मस्क ने तो यहां तक कह दिया कि अगर उन्होंने मदद न की होती तो ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव हार जाते। इतना ही नहीं उन्होंने ट्रंप पर महाभियोग चलाने तक की बात कही थी।

# तालिबान को मान्यता देने से डर रहा पाकिस्तान? अधिकारी बोले- अभी कोई जल्दबाजी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा है कि उसे अफगान तालिबान सरकार को मान्यता देने की कोई जल्दी नहीं है। वह कोई भी फैसला देश हित को ध्यान में रखते हुए लेंगे। यह टिप्पणी रूस द्वारा तालिबान के शासन को आधिकारिक रूप से मान्यता देने वाला पहला देश बनने के कुछ दिनों बाद आई है।

पर्यवेक्षकों का मानना है कि मॉस्को का फैसला अन्य देशों द्वारा तालिबान को अंततः अपनाने की प्रस्तावना हो सकता है।

रूस का फैसला कोई आश्चर्य की बात नहीं- पाकिस्तानी अधिकारियों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार से कहा कि रूस का फैसला कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि मॉस्को ने कुछ समय पहले ही संकेत दिया था कि वे इस तथ्य को स्वीकार कर लेंगे कि तालिबान अब सत्ता में है। उनके शासन को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

रूस का यह फैसला इस तथ्य से भी उपजा है कि तालिबान सरकार के साथ अधिक से अधिक जुड़ाव आतंकवादी खतरे से निपटने और इसके भू-रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

पाकिस्तानी अधिकारी ने क्या कहा- एक पाकिस्तानी अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या इस्लामाबाद भी तालिबान शासन को मान्यता देगा, तो उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से अपने हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेंगे। मैं बता सकता हूं कि इसमें कोई जल्दबाजी नहीं है। हालांकि, एक सूत्र ने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि अगर अन्य क्षेत्रीय देश रूस के नक्शेकदम पर चले तो पाकिस्तान अधिक व्यावहारिक रुख अपना सकता है।

## इजरायल से युद्ध के बाद बंकर से बाहर निकले खामेनेई, पहली बार सामने आए ईरान के सर्वोच्च नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-ईरान के बीच चले युद्ध के बाद सुरक्षित बंकर में छिपे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई बाहर निकल आए हैं। उन्होंने एक धार्मिक कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस बात की जानकारी सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर जारी एक वीडियो में खामेनेई को लोगों का अभिवादन और मस्जिद में उनका उत्साहवर्धन करते दिखाया गया। ये मौका नमाजी इमाम हुसैन की शहादत की वर्षगांठ मनाने का था। ये शिया मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है।

काले कपड़ों में नजर आए खामेनेई- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में खामेनेई को काले कपड़ों में देखा जा सकता है, जबकि उनके सामने खड़ी भीड़ हमारी रगों में हमारे नेता के लिए खून है के नारे लगा रही है। सरकारी टीवी का कहना है कि ये क्लिप मध्य तेहरान की इमाम खुमैनी मस्जिद की है।

1989 से ईरान की सत्ता संभाल रहे खामेनेई को 13 जून को इजरायल के हवाई हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। पिछले सप्ताह के प्री-रिकॉर्डेड वीडियो जारी किया गया था, जिसमें वो दिखाई दे रहे थे।

## पाकिस्तान के मुजफ्फरगढ़ में भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रेलर की टक्कर में 6 लोगों की मौत और 18 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से एक बड़े सड़क हादसे की खबर सामने आई है। दरअसल, पंजाब के मुजफ्फरगढ़ में शनिवार को एक यात्री बस और ट्रेलर के बीच भीषण टक्कर हुई है। इस दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत और 18 लोगों के घायल होने की जानकारी है।

समाचार एजेंसी एएनआई ने एआरवाई न्यूज ने रिपोर्ट के हवाले से बताया कि टक्कर लंगर सराय इलाके के पास हुई। मृतकों में दो पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। ये घटना ऐसे समय पर हुई, जब ये यात्री बस झंग से अलीपुर जा रही थी।

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती- इस दुर्घटना में घायल लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, बस चालक की भी इस घटना में मौत हो गई है। बता दें कि पाकिस्तान में ऐसी घटना कोई पहली बार नहीं हुई है। इससे पहले चार जुलाई को भी एक पर्यटक वाहन के नीलम नदी में गिर जाने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में पांच महिलाओं की जान गई थी।

# पुतिन से नाराज होकर ट्रंप ने जेलेंस्की को दिया ब्रह्मास्त्र, कितना खतरनाक है यह हथियार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। जेलेंस्की ने बताया की यह बातचीत काफी अच्छी रही।

वहीं, ट्रंप ने यूक्रेन को हर संभव मदद देने की बात कही है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर जेलेंस्की ने कहा, ड्रोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी के साथ हमने समझौता किया है। मैंने और राष्ट्रपति ट्रंप ने एक अच्छी बातचीत की है।

शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से बात करने के बाद, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन को अपनी रक्षा के लिए पैट्रियट मिसाइलों की आवश्यकता होगी। ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा लड़ाई को समाप्त करने में विफलता पर भी निराशा व्यक्त की। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि यूक्रेन को 'पैट्रियट मिसाइल सिस्टम' की सख्त जरूरत है। आइए जान लें कि 'पैट्रियट मिसाइल सिस्टम' क्या है?

पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की खासियत- बता दें कि 'पैट्रियट मिसाइल सिस्टम' अमेरिका का सबसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम है। इसे रेथियॉन टेक्नोलॉजीज कंपनी ने बनाया है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई हमलों से बचाव के लिए एक तरह की 'एयर शील्ड' की तरह काम करता है।

यह एयर डिफेंस सिस्टम 5,000 किलोमीटर की दूरी तक अपने टारगेट पर नजर रख सकता है और 5,800 किलोमीटर प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से हमला कर सकता है। इसे एयर डिफेंस सिस्टम का ब्रह्मास्त्र भी कहा जाता है।

# ट्रंप की सुरक्षा में बड़ी चूक, जहां छुट्टियां मना रहे थे राष्ट्रपति; उसी एअरस्पेस में दाखिल हुआ विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में सेंध लगने का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका की फर्स्ट लेडी और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप छुट्टियां मनाने न्यू जर्सी पहुंचे थे। इसी दौरान एक नागरिक विमान प्रतिबंधित एयर स्पेस में घुस आया। घटना शनिवार 5 जुलाई की है।

जैसी ही प्रतिबंधित एयर स्पेस में विमान के दाखिल होने की जानकारी मिली वैसे ही अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड के लड़ाकू विमान ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विमान को इंटरसेप्ट कर रोक दिया। NORAD के फाइटर डेट ने हेडबट रणनीति अपनाते हुए पायलट का ध्यान खींचा और विमान को प्रतिबंधित एयर स्पेस से बाहर निकाला।

यूएस एयरफोर्स ने क्या कहा- हैरानी की बात यह है कि दिन भर में पांचवां TFR उल्लंघन था। यानी पांचवी बार कोई विमान प्रतिबंधित एयर स्पेस में दाखिल हुआ था। US एयरफोर्स ने सभी पायलटों को FAA द्वारा जारी NOTAMs पढ़ने और पालन करने की सख्त हिदायत दी है।

एयरफोर्स ने चेतावनी जारी करते हुए कहा, यदि आप बेडमिंस्टर, ह्छ (न्यू जर्सी) के आस-पास उड़ान भरने की सोच रहे हैं, तो NOTAMs 1353, 1358, 2246, और 2247 पर जरूर नजर डालें। यह सुरक्षा के लिए हैं। कोई बहाना नहीं चलेगा! सावधान रहें और प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बाहर रहें।

# जेवियर माइली जी, आपका शुक्रिया, पीएम मोदी ने क्यों अर्जेंटीना के राष्ट्रपति से कहा ऐसा? पहलगाम हमले से जुड़ी है वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय अर्जेंटीना के दौरे के बाद अब ब्राजील पहुंच गए हैं। विदेश सचिव पी कुमारन ने शनिवार को पीएम मोदी के अर्जेंटीना दौरे पर ब्रीफिंग पेश की है। पी कुमारन के अनुसार, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने पहलगाम हमले के खिलाफ भारत का समर्थन किया है, जिसके लिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति माइली को धन्यवाद दिया है।

पी कुमारन का कहना है कि पीएम मोदी के इस दौरे के बाद भारत और अर्जेंटीना के रिश्ते भविष्य में और भी ज्यादा मजबूत होते दिखाई देंगे।

पहलगाम हमले पर अर्जेंटीना ने दिया भारत का साथ- पी कुमारन के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति माइली को 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर समर्थन देने के लिए धन्यवाद कहा है। उन्होंने इस मुश्किल समय में अर्जेंटीना के साथ खड़े रहने की सराहना की है।

दोनों देशों को होगा फायदा- पी कुमारन ने कहा, ÷पीएम मोदी के इस दौरे से भारत और अर्जेंटीना के रिश्ते प्रगाढ़ होंगे। साथ ही दोनों देशों के लिए नए आयाम खुलेंगे। इस साझेदारी से व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, रक्षा, खनन, खनिज समेत ऊर्जा क्षेत्र को भी बूस्ट मिलेगा।

# एमपी जीएसटी घोटाले में बड़ा खुलासा, फेक बिल से हो रहा था बिजनेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश सहित चार राज्यों में फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के रूप में 130 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी में बड़ी जानकारी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में बताया है कि चोरी के कोयले का कारोबार करने के लिए फर्जी बिलिंग की जा रही थी।

मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू की टीम ने बिलासपुर से कोयला कारोबारी शेख जफर को गिरफ्तार भी किया है। इसी तरह से सीमेंट की जीएसटी चोरी में पता चला है कि निर्माण कार्यों में ठेकेदार फर्जी बिल लेकर मापदंड के अनुसार सीमेंट उपयोग करना दिखाते थे। जांच एजेंसी के निशान पर कई बड़े अधिकारी जांच एजेंसी के निशाने पर सीमेंट, कोयला और स्टील के कई बड़े कारोबारी हैं। यह गड़बड़ी वर्ष 2018 से प्रारंभ हुई थी। फर्जीवाड़े का नेटवर्क मध्य प्रदेश के अतिरिक्त छत्तीसगढ़, झारखंड और महाराष्ट्र में फैल चुका है।

फर्जी बिलों से कारोबार का आरोप- ईओडब्ल्यू की टीम ने सबसे पहले झारखंड के रांची से जबलपुर के रहने वाले विनोद सहाय को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के आधार पर बिलासपुर से शेख जफर और भोपाल से राजा शेख को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि इन दोनों ने विनोद सहाय के कहने पर फर्जी फर्म बनाकर कारोबार दिखाया था। अभी तक मिले 512 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों में से अधिकतर सीमेंट, कोयला और स्टील कारोबार के हैं।

## कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने बीजेपी ने की माफी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी एक बार फिर सियासी गलियारों में सुर्खियां बटोर रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने कोविड वैक्सीन को बढ़ते हार्ट अटैक का कारण बताया, जिसे एक्सपर्ट पैनल ने पूरी तरह खारिज कर दिया। वहीं, अब बीजेपी ने सीएम सिद्दरमैया से माफी की मांग की है।

सीएम सिद्दरमैया ने कर्नाटक और खासकर हासन में दिल का दौरा पड़ने की वजह कोविड वैक्सीन को बताया था, जिसपर बीजेपी मुखर हो गई है।

पैनल ने खारिज किया दावा- सीएम सिद्दरमैया के बयान के बाद सरकार ने एक पैनल का गठन किया था, जिसमें इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। पैनल का कहना है कि कोविड वैक्सीन से दिल का दौरा पड़ने का कोई सबूत नहीं मिला है। पैनल की रिपोर्ट सामने आने के बाद बीजेपी ने सीएम सिद्दरमैया से माफी मांगने की अपील की है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सिद्दरमैया को गैर-जिम्मेदार करार देते हुए कहा ICMR , NCDC और दिल्ली एम्स जैसे संस्थानों ने इस मामले की जांच की और अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया है।

## 7 खिड़कियों से दिखता है पूरा ब्रह्मांड... क्या है Cupola Module, जिससे शुभांशु ने देखा स्पेस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में एक खास तौर का मॉड्यूल है, जिसे कपोला मॉड्यूल कहा जाता है। इस मॉड्यूल में सात खिड़कियां है, जहां से अंतरिक्ष यात्री ब्रह्मांड की स्टडी करते हैं।

26 जून को भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। इसी बीच उनकी तस्वीर सामने आई है, जहां वो कपोला मॉड्यूल से ब्रह्मांड की तस्वीरें कैमरे में कैद कर रहे हैं। बता दें कि 14 दिनों तक अंतरिक्ष में रहेंगे।

कपोला मॉड्यूल की खासियत- कपोला एक छोटा मॉड्यूल है, जिसे स्पेस स्टेशन के बाहर रोबोटिक गतिविधियों, व्हीकल्स एप्रोच और स्पेस वॉक जैसी एक्टीविटिज के अवलोकन लिए डिजाइन किया गया है।

कपोला की वजह से अंतरिक्ष यात्री तारों और खगोलीय पिंडो को देखकर उनकी स्टडी करते हैं। कपोला की वजह से ही हमें ब्रह्मांड की शानदार तस्वीरें दुनिया तक पहुंचती है।

ISS में शुभांशु शुक्ला ने हड्डियों पर किया शोध- शुभांशु ने स्पेस स्टेशन पर हड्डियों से संबंधित अध्ययन किया। यह शोध हड्डियों की बीमारी ऑस्टियोपोरोसिस के बेहतर उपचार की दिशा में उम्मीद की किरण है।

# भारत में कैसे बदला मानसून का पैटर्न, आम जनजीवन पर क्या पड़ेगा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन की वजह से भारत के मानसून में बहुत बड़े बदलाव हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश इन दिनों भीषण मानसून की चपेट में है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण 260 से ज्यादा सड़कें ब्लॉक हो चुकी हैं, जिसमें 176 सड़कें सिर्फ मंडी जिले में हैं। भारतीय मौसम विभाग ने कांगड़ा, सिरमौर और मंडी जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इस हफ्ते बादल फटने या भूस्खल की वजह से कम से कम 69 लोगों की मौत हो गई और 37 लापता हैं। पिछले साल हिमाचल प्रदेश में मानसून के मौसम में 550 से ज्यादा लोग मारे गए थे। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिरकार मानसून इतना खतरनाक और अप्रत्याशित कैसे होता जा रहा है?

क्या कहना है विशेषज्ञों का- इस तरह की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति और गंभीरता के लिए विशेषज्ञ जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार मानते हैं। यही वजह है कि भारत में मानसून का व्यवहार बदल रहा है। ये बदलाव देश भर में कृषि, जल प्रणाली और आपदा तैयारियों को खतरे में डालता है, जिससे मानसून पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक और अप्रत्याशित हो जाता है।

पिछले 100 सालों में हुआ बड़ा बदलाव- सरकारी रिपोर्टों के मुताबिक, 1901 से 2018 की अवधि में भारतीय सतह के तापमान में 0.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। जबकि उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर के समुद्र की सतह के तापमान में 1951 से 2015 के बीच लगभग 1 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि देखने को मिली।

चूंकि गर्म हवा ज्यादा नमी धारण कर सकती है, जिसकी वजह से ज्यादा तेज बारिश होती है। लगभग 7 प्रतिशत प्रति एक डिग्री सेल्सियस तक।

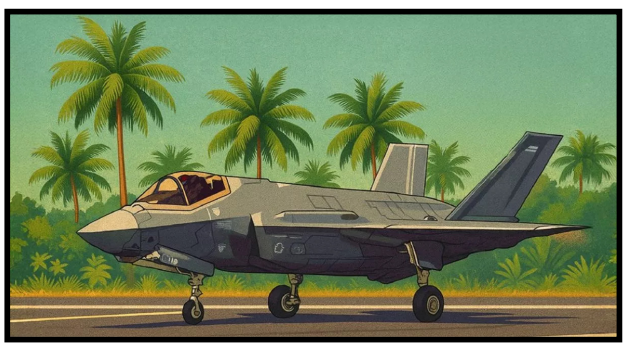

## F-35B नायर का पैन कार्ड बन गया अब सिर्फ..., केरल में खड़े ब्रिटिश फाइटर जेट को लेकर सोशल मीडिया पर आई मीम्स की बाढ़



नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब 20 दिनों से अटका ब्रिटिश रॉयल नेवी का F-35 लड़ाकू विमान वापस ब्रिटेन लौटने वाला है। रवाना होने से पहले, इस जेट को लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ गई है। इंटरनेट यूजर्स ने कई मजेदार मीम्स शेयर किए हैं।

इंटरनेट यूजर्स ने OLX पर F-35 को बेचने से लेकर जेट के लिए नकली आधार कार्ड बनाना जैसे मजाक किए हैं। एक यूजर ने लिखा, F-35B नायर को उसका पैन कार्ड मिल गया है। अब समय आ गया है कि उसे सरकारी नियमों के अनुसार आधार से लिंक किया जाए। एक अन्य ने टिप्पणी की, अगर वह F-35 विमान इतने समय तक गुड़गांव में खड़ा रहता, तो कोई उसके अंदर रेस्टोरेंट खोल लेता।

केरल टूरिज्म डिपार्टमेंट ने शेयर किया मीम- केरल के पर्यटन विभाग ने भी AI से बनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें फाइटर जेट को नारियल के पेड़ों से घिरा दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में जेट को केरल को पांच गोल्डन स्टार दिए गए हैं और इसे एक अद्भुत जगह÷ बताया है। डिपार्टमेंट ने लिखा, ÷केरल वो अद्भुत जगह है, जिसे आप कभी नहीं छोड़ना चाहते।

14 जून को हुई थी इमरजेंसी लैंडिंग- बेहद ही आधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 बी को मैकेनिकल समस्या की वजह से 14 जून, 2025 को त्रिवेंद्रम में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। पांचवीं पीढ़ी का ये फाइटर जेट ब्रिटेन से ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भर रहा था, तभी इसमें हाइड्रोलिक विफलता का सामना करना पड़ा। कम ईंधन और प्रतिकूल मौसम की स्थिति का सामना कर रहे पायलट ने इसे सबसे नजदीकी हवाई अड्डे पर लैंड किया।

## पहलगाम की तरह महाराष्ट्र में भी..., MNS कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी पर महाराष्ट्र के मंत्री ने कसा तंज




नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर सियासी विवाद शुरू हो गया है। वहीं, अब महाराष्ट्र के मंत्री आशीष सेलार ने मराठी भाषा के नाम पर हो रही गुंडागर्दी की तुलना पहलगाम आतंकी हमले से कर दी है। आशीष शेलार का कहना है कि पहलगाम में आतंकियों ने धर्म के आधार पर लोगों को निशाना बनाया था और महाराष्ट्र में भाषा के आधार पर हमले किए जा रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है।

आशीष शेलार का कहना है कि राज्य की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते बीजेपी न सिर्फ मराठी लोगों की बल्कि गैर-मराठी लोगों की भी रक्षा करेगी। आशीष शेलार के अनुसार, मराठी हमारे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। पहलगाम आतंकी हमले में लोगों से उनका धर्म पूछा गया और गोली मार दी गई। महाराष्ट्र में लोगों पर भाषा को आधार बनाकर हमले किए जा रहे हैं। एक हिंदू के द्वारा दूसरे हिंदू को पिटता हुआ देखकर इन नेताओं को मजा आ रहा है।

क्या है पूरा मामला- बता दें कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मराठी को लेकर राज्य में मुहिम छेड़ रखी है। हाल ही में स्हस कार्यकर्ताओं को मराठी न बोलने की वजह से एक दुकानदार को थप्पड़ मारते देखा गया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल ही हो रहा था।

MNS कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी के वीडियो वायरल- इसी बीच मशहूर बिजनेसमैन सुशील केडिया ने बयान दे दिया कि वो 30 साल से महाराष्ट्र में रह रहे हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। उन्होंने राज ठाकरे को टैग करते हुए लिखा मैं मराठी नहीं सीखूंगा। बोलो क्या करना है? सुशील केडिया की इस पोस्ट से बौखलाए MNS कार्यकर्ताओं ने उनके दफ्तर पर हमला कर दिया और जमकर ईंट-पत्थर बरसाए थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।


मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

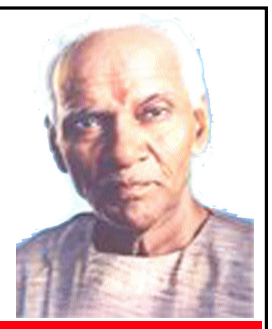

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वादशी

## संपादकीय

# भारतीय सभ्यता,संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है

वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता,संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफ़ी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 को वैश्विक माफी दिवस है,चूँकि क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूतिपूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025 के महत्व और शक्तियों को समझने की करें तो,यह दिवस हमारे जीवन में क्षमा की शक्ति और महत्व को समर्पित एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह द्वेष को दूर करने, पिछले घावों को भरने और समझ और सुलह की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर चिंतन करने का दिन है। क्षमा भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है, जो व्यक्तियों और समुदायों को सद्भाव और शांति में आगे बढ़ने में मदद करता है। वैश्विक क्षमा दिवस लोगों को खुद को और दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है!

साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है,वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना औरआत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है।

साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है।उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं।

# गुरु हर किशन सिंह

गुरु हर किशन सिंह अथवा गुरु हरि कृष्ण जी सिक्खों के आठवें गुरु थे। वे 6 अक्टूबर, 1661 ई. में गुरु बने थे और इस पद पर 1664 ई. तक रहे।

जीवन परिचय- गुरु हर किशन साहेब जी का जन्म सावन सुदी 10 (8वां सावन) विक्रम संवत 1713 (7 जुलाई, 1656) को किरतपुर साहेब में हुआ था। आप गुरु हर राय और माता किशन कौर के दूसरे बेटे थे। 8 वर्ष की छोटी-सी आयु में ही आपको गुरु गद्दी प्राप्त हुई। इन्होंने सिर्फ़ तीन वर्ष तक शासन किया, लेकिन वह बहुत बड़े ज्ञानी थे और हिन्दू धर्मग्रंथ भगवद्गीता के ज्ञान से अपने पास आने वाले ब्राह्मणों को चमत्कृत कर देते थे। इनके बारे में कई चमत्कारों का वर्णन मिलता है। बालक के ज्ञान की परीक्षा लेने के उद्देश्य से राजा जय सिंह ने अपनी एक रानी को दासी के वेश में गुरु के चरणों के पास अन्य दासियों के साथ बिठा दिया। बताया जाता है कि गुरु हर किशन ने तुरंत रानी को पहचान लिया। हर किशन के बड़े भाई राम राय, जो पहले से ही मुग़ल बादशाह औरंगज़ेब के समर्थक थे, ने उन्हें गुरु नियुक्त किए जाने का विरोध किया। इस मामले का फ़ैसला करने के लिए औरंगज़ेब ने आठ वर्षीय हर किशन को दिल्ली बुलाया।

गुरु गद्दी का तिलक- कीरतपुर में गुरु हरराय जी के दो समय दीवान लगते थे। हज़ारों श्रद्धालु वहाँ उनके दर्शन के लिए आते और अपनी मनोकामनाएँ पूरी करते। एक दिन गुरु हरराय जी ने अपना अन्तिम समय नजदीक पाया और देश परदेश के सारे मसनदों को हुक़ुमनामे भेज दिये कि अपने संगत के मुखियों को साथ लेकर शीघ्र ही कीरतपुर पहुँच जाओ। इस तरह जब सब सिख सेवक और सोढ़ी, बेदी, भल्ले, त्रिहण, गुरु, अंश और सन्त-महन्त सभी वहाँ पहुँचे। आप ने दीवान लगाया और सब को बताया कि हमारा अन्तिम समय नजदीक आ रहा है और हमने गुरु गद्दी का तिलक अपने छोटे सपुत्र श्री हरिकृष्ण जी को देने का निर्णय किया है। इसके उपरांत गुरु जी ने श्री हरिकृष्ण जी को सामने बिठाकर उनकी तीन परिकर्मा की और पांच पैसे और नारियल आगे रखकर उनको नमस्कार की। उन्होंने साथ-साथ यह वचन भी किया कि आज से हमने इनको गुरु गद्दी दे दी है। आपने इनको हमारा ही रूप समझना है और इनकी आज्ञा में रहना है। गुरु जी का यह हुक्म सुनकर सारी संगत ने यह वचन सहर्ष स्वीकार किया और भेंट अर्पण की। इस प्रकार संगत ने श्री हरि कृष्ण जी को गुरु स्वीकार कर लिया।

यह सब गुरु हरिकृष्ण जी के बड़े भाई श्री रामराय जी बर्दाश्त ना कर सके। उन्होंने क्रोध में आकर बाहर मसनदो को पत्र लिखे कि गुरु की कार भेंट इकट्ठी करके सब मुझे भेजो नहीं तो पछताना पड़ेगा। उसने इसके साथ-साथ दिल्ली जाकर औरंगजेब को कहा कि मेरे साथ बहुत अन्याय हुआ है। गुरु गद्दी पर बैठने का हक़ तो मेरा था परन्तु मुझे छोड़कर मेरे छोटे भाई को गुरु गद्दी पर बिठाया गया। जिसकी उम्र केवल पांच वर्ष की है। आप उसको दिल्ली में बुलाओ और कहो कि गुरु बनकर सिक्खों से कार भेंट ना ले और अपने आप को गुरु ना कहलाए। श्री रामराय के बहुत कुछ कहने के कारण बादशाह ने मजबूर होकर राजा जयसिंह को कहा कि अपना विशेष आदमी भेजकर गुरु जी को दिल्ली बुलाओ। जयसिंह ने ऐसा ही किया। राजा जयसिंह की चिट्ठी पढ़कर और मंत्री की जुबानी सुनकर गुरु हरि कृष्ण जी ने माता और बुद्धिमान सिक्खों से विचार किया और दिल्ली जाने की तैयारी कर ली।

आठवीं पादशाही गुरु- गुरु हरराय जी ने 1661 में गुरु हरकिशन जी को आठवीं पादशाही गुरु के रूप में सौंपी। बहुत ही कम समय में गुरु हर किशन साहिब जी ने सामान्य जनता के साथ अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार से राजधानी में लोगों में लोकप्रियता हासिल की। इसी दौरान दिल्ली में हैजा और छोटी माता जैसी बीमारियों का प्रकोप महामारी लेकर आया। मुग़ल राज जनता के प्रति असंवेदनशील था। जात-पात एवं ऊंच नीच को दरकिनार करते हुए गुरु साहिब ने सभी भारतीय जनों की सेवा का अभियान चलाया। ख़ासकर दिल्ली में रहने वाले मुस्लिम उनकी इस मानवता की सेवा से बहुत प्रभावित हुए एवं वो उन्हें बाला पीर कहकर पुकारने लगे। जनभावना एवं परिस्थितियों को देखते हुए औरंगजेब भी उन्हें नहीं छेड़ सका। परन्तु साथ ही साथ औरंगजेब ने राम राय जी को शह भी देकर रखी, ताकि सामाजिक मतभेद उजागर हों। दिन रात महामारी से ग्रस्त लोगों की सेवा करते करते गुरु साहिब अपने आप भी तेज ज्वर से पीड़ित हो गये। छोटी माता के अचानक प्रकोप ने उन्हें कई दिनों तक बिस्तर से बांध दिया। जब उनकी हालत कुछ ज्यादा ही गंभीर हो गयी तो उन्होंने अपनी माता को अपने पास बुलाया और कहा कि उनका अन्त अब निकट है। जब लोगों ने कहा कि अब गुरु गद्दी पर कौन बैठेगा तो उन्हें अपने उत्तराधिकारी के लिए केवल बाबा- बकाला का नाम लिया। यह शब्द केवल भविष्य गुरु, गुरु तेगबहादुर साहिब, जो कि पंजाब में व्यास नदी के किनारे स्थित बकाला गांव में रह रहे थे, के लिए प्रयोग किया था जो बाद में गुरु गद्दी पर बैठे और नवमी पादशाही बने।

मृत्यु- जब गुरु हर किशन दिल्ली पहुँचे, तो वहाँ हैज़े की महामारी फैली हुई थी। कई लोगों को स्वास्थ्य लाभ कराने के बाद उन्हें स्वयं चेचक निकल आई। 30 मार्च सन 1664 में मरते समय उनके मुँह से बाबा बकाले शब्द निकले, जिसका अर्थ था कि उनका उत्तराधिकारी बकाला गाँव में ढूँढा जाए। अपने अन्त समय में गुरु साहिब ने सभी लोगों को निर्देश दिया कि कोई भी उनकी मृत्यु पर रोयेगा नहीं। बल्कि गुरुवाणी में लिखे सबदों को गायेंगे। इस प्रकार बाला पीर चैत्र सुदी 14 (तीसरा वैसाख) विक्रम सम्वत 1721 (30 मार्च, 1664) को धीरे से वाहेगुरु शब्द का उच्चारण करते हुए गुरु हरकिशन जी ज्योतिजोत समा गये।

# 1000% का रिटर्न दिया, अब स्प्लिट होने जा रहा यह स्टॉक! 2400 करोड़ मार्केट कैप, क्या करती है कंपनी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कारोबारी हफ्ते इस शेयर में 10.88% का उछाल देखने को मिला। सोमवार यानी 30 जून को यह शेयर ह्स्श्व पर 236.20 की ट्रेडिंग के साथ शुरू हआ और 4 जुलाई यानी शुक्रवार को 262 रुपए पर बंद हुआ। इसमें एक हफ्ते में 10.88% और पिछले कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन 8.21% की तेजी देखी गई। यह स्टॉक अब तक 1000% रिटर्न दे चुका है। दरअसल, कंपनी 10 जुलाई को एक अहम बैठक करने जा रही है।

जिसमें स्टॉक स्प्लिट के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। यह खबर आने के बाद निवेशकों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। और इसी के चलते कंपनी के शेयर्स में तेजी देखने को मिली।

स्प्लिट होंगे इक्विटी स्टॉक्स- स्टॉक स्प्लिट को लेकर कंपनी ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि बोर्ड की बैठक में 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले इक्विटी स्टॉक्स को छोटे हिस्सों में बांटने पर फैसला लिया जाएगा। इसे लेकर कंपनी ने नियमों के मुताबिक, 1 जुलाई से ही Designated Individuals और Insiders के लिए ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी है, जो Financial results की घोषणा के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। कंपनी ने यह कदम नतीजों से पहले पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उठाया है।

क्या है मकसद - TFCI अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने की योजना बना रही है। इसका मतलब है कि एक शेयर को कई छोटे शेयरों में बांट दिया जाएगा, जिससे शेयर की कीमत कम हो जाएगी। उदाहरण के लिए, अगर 10 रुपए का एक शेयर दो हिस्सों में बंटता है, तो उसकी कीमत 5 रुपए हो जाएगी।

ऐसा करने के पीछे कारण है-

सस्ते शेयर- कम कीमत के कारण छोटे निवेशक भी शेयर खरीद सकते हैं।

ज्यादा खरीद-बिक्री- सस्ते शेयरों की ट्रेडिंग बढ़ सकती है, जिससे शेयर आसानी से खरीदे-बेचे जा सकते हैं।

अधिक निवेशक- ज्यादा लोग कंपनी में निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे।

## कम होगी महंगाई, भरेगी आपकी जेब; दूसरे सबसे बड़े सरकारी बैंक की चौंकाने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं, तो यह खबर आपको राहत पहुंचा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) में महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुमान के मुताबिक रहेगी।

RBI ने पूरे वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी खुदरा महंगाई का औसत 3.7% रहने का अनुमान लगाया है। पहली तिमाही में यह 2.9%, दूसरी तिमाही में 3.4त्न, तीसरी तिमाही में 3.9त्न, और चौथी तिमाही में 4.4त्न रहने की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट कहती है कि यह संभव होगा, क्योंकि सांख्यिकीय आधार अनुकूल है और जरूरी चीजों की कीमतें लगातार कम हो रही हैं।

सब्जियों-दालों की कीमतों में गिरावट- बैंक ऑफ बड़ौदा का आवश्यक वस्तु सूचकांक जून 2025 में 1.8% की गिरावट दिखाता है, जो मई 2025 की 0.6त्न गिरावट से ज्यादा है। यह लगातार तीसरे महीने की गिरावट है, जिसकी मुख्य वजह सब्जियों और दालों की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। जून में प्याज की खुदरा कीमतों में 26.1त्न, आलू में 20.3% और टमाटर में 24त्न की गिरावट दर्ज हुई है।

## रॉकेट बना 2 रुपए का शेयर, अब 2100 के पार; मोतीलाल ओसवाल की सलाह- तुरंत खरीदो

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइड करने वाली इस कंपनी ने शेयर मार्केट में धूम मचा रखी है। निवेशक इसमें तेजी से दिलचस्पी दिखा रहे हैं। तभी इसका इसका शेयर आसमान छू रहा है। एक्सपर्ट्स भी इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। जिसमें यह स्टॉक दूसरे नंबर पर है। ब्रोकरेज फर्म ने बताया है कि यह शेयर 7 से 11 जुलाई के बीच फर्राटा भर सकता है और अपने निवेशकों को मालामाल बना सकता है। फर्म की सलाह है कि यह स्टॉक एक महीने में अच्छा रिटर्न दे सकता है।

कंपनी के शेयर ने अब तक 88,650% रिटर्न दिया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर्स में 0.16% की मामूली बढ़त देखी गई थी। शेयर 2,129 रुपए से लेकर 2,134 रुपए के बीच ट्रेड कर रहे थे। वहीं, एक साल में 14.94% और पांच साल में 57.85% का रिटर्न दे चुके हैं। साल 2001 में जब कंपनी के शेयर मार्केट में लिस्ट हुए, तब उनकी कीमत 2.40 रुपए प्रति शेयर थी, जो अब 2130 रुपए तक पहुंच गई है। यानी यह शेयर अब तक 88,650% का मुनाफा करा चुका है।

भविष्य की ये योजनाएं दिलाएंगी मुनाफा

डिजिटल विस्तार - डिजिटल और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म जैसे Jifi और KayPay को और मजबूत करना।

शाखा वृद्धि - दक्षिण भारत में उपस्थिति बढ़ाने के लिए और शाखाएं खोलना, विशेष रूप से 2015 में ING Vysya Bank के विलय के बाद।

ESG फोकस - MSCI ने जून 2025 में श्वस्त रेटिंग को 'A' से 'AA' में अपग्रेड किया।

## क्रेडिट स्कोर में बड़ा बदलाव! जिनका सिबिल खराब, उन्हें आसानी से मिलेगा लोन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक व गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं से लोन लेने वालों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। जिसे देखते हुए अब क्रेडिट स्कोर को मापने के तरीके में बदलाव की जरूरत महसूस की जाने लगी है। इस दिशा में RBI और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की पहल पर कई शुरुआत भी की गई है।

हाल ही में देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में यूनिफाइड पेमेंट की तरह यूनिफाइड लैंडिंग इंटरफेस प्लेटफार्म को जोड़ा गया है जिसकी मदद से किसी व्यक्ति के क्रेडिट स्कोर के नहीं रहने पर भी उसकी क्रेडिट क्षमता का आंकलन किया जा सकेगा। वित्तीय सेवा विभाग ने केंद्र और राज्य के सभी विभागों को ULI से जुड़ने के लिए कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी व्यक्ति की तमाम जानकारी हासिल की जा सके।

नाबार्ड से लेकर देश के सभी को-ऑपरेटिव और ग्रामीण बैंकों के ULI से जुड़े होने से किसी व्यक्ति के नकद के रूप में लिए जाने वाले कर्ज की भी जानकारी मिलेगी। व्यक्ति की प्रॉपर्टी, खेत-खलिहान जैसी तमाम जानकारी स्कू के माध्यम से मिल जाएगी। जिन किसानों ने अब तक कोई कर्ज नहीं लिया है, उनकी जमीन से लेकर उनकी फसल का ब्योरा भी आसानी से मिल सकेगा। ULI फ्रेमवर्क को ई-कामर्स और गिग वर्कर्स प्लेटफार्म भी जोड़ा जाएगा ताकि छोटे-छोटे क्रेता और विक्रेता के साथ सभी गिग वर्कर्स का क्रेडिट स्कोर तैयार किया जा सके।

# इस हफ्ते कैसी रहेगी निफ्टी की चाल, क्रैश होगी या फिर लाएगी तेजी? एक्सपर्ट से आज ही समझ लीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में 0.41% की मामूली गिरावट देखी गई। जिसके चलते निफ्टी 169 पॉइंट गिरकर 25, 461 पर बंद हुआ। इसमें 0.66% की गिरावट दर्ज हुई। इसके पीछे ईरान और अमेरिका बीच बढ़े जियोपॉलिटिकल तनाव को माना जा रहा है। हालांकि, सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 4 जुलाई को मार्केट बंद होने तक निफ्टी में हल्का सुधार देखने को मिला। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर अगले हफ्ते Nifty और Bank nifty की चाल क्या रहने वाली है?

चार्ट क्या कह रहा है? रेजिस्टेंस और सपोर्ट लेवल क्या रहने वाला है? 7 जुलाई को मार्केट खुलने से एक दिन पहले बता रहे हैं आनंद राठी ग्रुप के इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर जिगर एस पटेल...

मार्केट में जोश- मई 2025 की तरह जून में भी शेयर मार्केट ज्यादा ऊपर-नीचे नहीं हुआ। निफ्टी एक खास दायरे में ही रहा। ईरान और इजराइल के बीच चल रहे तनाव के बावजूद निफ्टी ना तो बहुत गिरा और ना ही बहुत चढ़ा। जून के आखिरी हफ्ते में बड़ा बदलाव आया। डोनाल्ड ट्रम्प ने सीजफायर की घोषणा की, जिससे मार्केट में जोश भर गया। इसकी वजह से निफ्टी 25,300 के अहम रेजिस्टेंस लेवल को तोड़कर ऊपर गया। महीने का अंत करीब 3त्न की बढ़त के साथ मजबूत रहा।

तेजी के संकेत- हमने पहले बताया था कि 25,300- 25,600 के ऊपर जाना निफ्टी के लिए तेजी का संकेत हो सकता है। निफ्टी 25,300 के पार तो गया, लेकिन 25,600 के ऊपर स्थिर नहीं हो पया। अगर यह 25,600 के ऊपर टिकता है, तो 25,800 से 26,000 तक की रैली हो सकती है।

## तो क्या 50% तक बढ़ जाएगी चीनी के प्रोडक्ट, अल्कोहल और तंबाकू की कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 7 विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देशों को चीनी, अल्कोहल और तंबाकू की कीमतें अगले 10 साल में 50% तक बढ़ाने की सलाह दी है। WHO ने यह सलाह 3 बाय 35 योजना के तहत दी है, जिसे 2 जुलाई को लंदन में हुई बैठक में घोषित किया गया। इसका मकसद इन प्रोडक्ट के इस्तेमाल को कम करना है, ताकि लोगों की सेहत को बेहतर किया जा सके। WHO का कहना है कि शराब, तंबाकू और मीठे पेय पदार्थ के कारण हार्ट डिजीज, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

क्या है 3 बाय 35- यह WHO की खास योजना है। जिसमें उसका फोकस तीन चीजों पर है। 3 चीजें यानी चीनी, अल्कोहल और तंबाकू। वहीं 35 का मतलब साल 2035 से है। और आसान शब्दों में कहें तो WHO इन 3 चीजों पर 2035 तक 50त्न बढ़वाना चाहता है।

क्या है मकसद- 3 बाय 35 योजना का मकसद इन चीजों के इस्तेमाल को कम करना और लोगों की सेहत बेहतर करना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# जबलपुर में खोले गए बरगी डैम के गेट

जबलपुर। लगातार हो रही बारिश से नदी, ताालाब भी छलकने के लिए मचलने लगे हैं। रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। लिहाजा जलस्तर नियंत्रित रखने के लिए नौ गेट खोल दिए गए। मानसून सीजन में पहली बार बांध के 21 में से 9 स्पिल-वे गेट औसतन 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोले गए है। इनमें से 52 हजार 195 क्यूसेक (घनफुट पानी प्रति सेकंड) पानी छोड़ा जा रहा है।

गेट नंबर 10, 11 और 12 खोले गए- कार्यपालन यंत्री बरगी बांध राजेश सिंह गौंड के अनुसार खोले गए नौ गेट में से गेट नंबर 10, 11 और 12 को दो-दो मीटर, गेट नम्बर नौ और 13को डेढ़-डेढ़ मीटर, गेट नंबर आठ और 14 को एक-एक मीटर तथा गेट नंबर सात और 15 को आधा-आधा मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है। उन्होंने बताया कि बांध में आवक को देखते हुए कभी भी इससे पानी निकासी की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

### 417 मीटर से ज्यादा भरा

कार्यपालन यंत्री बरगी बांध के मुताबिक रविवार को दोपहर ग्यारह बजे बांध का जल स्तर 417.40 मीटर रिकार्ड किया गया था और इस समय इसमें लगभग 98 हजार 741 क्युसेक पानी प्रवेश कर रहा था। बरगी बांध का पूर्ण जल भराव स्तर 422.76 मीटर है और ऑपरेशनल मैन्युल के अनुसार 31 जुलाई तक इसका जलस्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है।

पांच फीट तक बढ़ेगा नर्मदा का जलस्तर

फिलहाल बांध के निचले क्षेत्र के निवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा डूब क्षेत्र में प्रवेश न करने की अपील करते हुए बताया कि बांध से पानी छोड़ने से नर्मदा नदी का जलस्तर चार से पांच फुट तक बढ़ सकता है। अगले तीन घंटे में बरगी बांध का पानी गौरीघाट, तिलवारा घाट तक पहुंच सकता है।

# मैहर के अमपाटन वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले राजस्व ग्राम दधीच टोला रामनगर में मगरमच्छ दिखने से मचा हडकंप

मैहर। वन मंडल मैहर के अमपाटन वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले राजस्व ग्राम दधीच टोला रामनगर में शनिवार की रात करीब आठ बजे एक मगरमच्छ दिखने से हडकंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी जानकारी वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मगरमच्छ का रेस्क्यू करने में जुट गई। करीब सात घंटे की कड़ी मेहनत के बाद विभाग की टीम ने मगरमच्छ पर काबू पाया और उसका रेस्क्यू करते हुए सुरक्षित मारकंण्डेय तालाब के पास बाण सागर बांध में छोड़ है।

वन विभाग ने रेस्क्यू किया मगरमच्छ- इस संबंध में अमरपाटन वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश चंद्र मिश्रा ने बताया कि उन्हें करीब रात आठ बजे गांव में मगरमच्छ होने की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर वन मंडल अधिकारी मैहर मयंक चांदीवाल के निर्देशन पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरपाटन, मुकुंदपुर जू का संयुक्त रेस्क्यू दल गठित कर मगरमच्छ के रेस्क्यू की कार्रवाई शुरु की गई। जिसे रेस्क्यू देर रात करीब तीन बजे किया जा सका।

इस दौरान गांव के अंदर मगरमच्छ को देखकर डरे-सहमे लोग अपने घरों में दुबककर दरवाजे बंद कर लिए और खिड़कियों झांकते रहे। हलांकि वन विभाग की रेस्क्यू टीम द्वारा मगरमच्छ को पकड़ लेनने के बाद लोगों ने कुछ राहत की सांस ली। रेस्क्यू टीम में रेस्क्यू दल में सतीश चंद्र मिश्रा रेंजर, शुभम खरे रेंजर, डिप्टी रेंजर अमरपाटन शुक्ला जी, शिवम परोहा, अभिषेक परिहार, अभिषेक विश्वकर्मा, अखिलेश मिश्रा, व्यास पाण्डेय, सुशील पाण्डेय, अरुण सिंह, सीताराम, संजय शामिल थे।

सर्च करने में लगा समय- गांव में मगरमच्छ होने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग व मुकुंदपुर जू की संयुक्त रेस्क्यू टीम मगरमच्छ की लोकेशन तलाश करना शुरु की। रात होने पर अंधेरा की वजह से वन विभाग की टीम सर्चलाइट व टॉर्च की सहायता से मगरमच्छ की तलाश शुरु की। जिसके बाद करीब दो-ढाई बजे मगरमच्छ दिखाई दिया। जिसका रेस्क्यू करते हुए पकड़ते हुए सुबह चार बजे मार्कण्डेय बांध में छोड़ दिया गया।

वन मंडल अधिकारी मयंक चांदीवाल ने बताया कि बारिश की वजह से बाण सागर बांध से ही मगरमच्छ अपना रास्ता भटककर गांव के अंदर पहुंच गया होगा। फिलहाल उसका रेस्क्यू कर उसे वापस बांध में छोड़ दिया गया है।

## नया कानून कितना प्रभावी

ग्वालियर। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता लागू हुए एक साल पूरा हो गया है। फिर भी अब तक डिजिटलाइजेशन से पुलिस कोसों दूर है। नए कानून में डिजिटल साक्ष्यों पर जोर दिया गया, क्योंकि अब अधिकांश अपराध में सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, कॉल रिकॉर्डिंग, मैसेंजर के चैट रिकॉर्ड, कॉल डिटेल रिपोर्ट, लोकेशन ही ऐसे साक्ष्य हैं, जिनसे दोष सिद्धि आसानी से हो सकती है।

सबसे बड़ी मुसीबत इंटरनेट कनेक्टिविटी- इसके लिए ई-साक्ष्य और ई-विवेचना ऐप भी शुरू हुए, लेकिन सबसे बड़ी मुसीबत इंटरनेट कनेक्टिविटी की है। बड़ी-बड़ी फाइल आसानी से डाउनलोड नहीं होतीं।

दूसरी परेशानी हैं, उम्रदराज विवेचक-जो तकनीकी रूप से इतने दक्ष ही नहीं हैं जो इस पर अमल कर सकें। डिजिटलाइजेशन में बड़ी चुनौतियां हैं।

कई इलाके ऐसे हैं, जहां सामान्य नेटवर्क ही आसानी से नहीं मिलता। यहां इंटरनेट न होने से आडियो, वीडियो, डाक्यूमेंट फाइल आसानी से अपलोड नहीं होती। इसमें एरर आता है।

अब तक करीब 39 टेबलेट ही ग्वालियर में उपलब्ध हैं। विवेचकों की संख्या में यह बहुत कम है। निजी मोबाइल का उपयोग ई-विवेचना में अभी बहुत कम विवेचक करते हैं।

अभी विवेचकों को इसके लिए और अधिक प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

# स्टोर रूम में सामान लेने पहुंची तो मिली तीन फीट लंबी Cobra नागिन

जबलपुर। लगातार हो रही वर्षा से सरिसृप के बिलों में भी पानी भर रहा है. नतीजन, अब वे लोगों वाले क्षेत्रों का रूख कर रहे है। हाल के दिनों में घरों में सांप घुसने के मामले रोजाना सामने आ रहे है। ऐसा ही एक मामला शनिवार को भी गोहलपुर अमखेरा रोड स्थित रोहित कुमार के घर की है जहां एक ष्टश्वड्डह्लड्ड नागिन से इलाके में दहशत व्याप्त रही। सामान लेने गई तो देखा फन फैलाई नागिन

बताया जाता है कि जब रोहित की मां स्टोर रूम में कुछ सामान लेने गईं तो देखा कि एक नागिन फन फैला कर बैठी फुंफकार रही थी। आनन-फानन में तत्काल सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे को सूचना दी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू करते हुए नागिन को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

सांप कटने पर क्या होता है- गजेन्द्र दुबे के अनुसार पकड़ी गई नागिन कोबरा प्रजाति की है जो कि बेहद खतरनाक और जहरीली होती है। इसमें खतरनाक न्यूरोटाक्सिन जहर पाया जाता है जो कि सर्प दंश से पीड़ित व्यक्ति का नर्वस सिस्टम जाम कर देता है।

# एक ही फंदे से लटकता मिला भाई-बहन का शव

मझगवां। सतना जिले के बरौंधा थाना अंतर्गत आने वाले आदिवासी बाहुल्य ग्राम कुठिला पहाड़ के जंगल में एक ही फंदे से दो सगे चचेरे भाई-बहन का शव लटकता मिला। जिसकी जानकारी लगते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। इस संबंध में बरौंधा थाना प्रभारी अभिनव सिंह ने बताया कि गांव के दो नाबालिग राधा मवासी पिता ददुवा मवासी (किशोरी) एवं देशराज मवासी पिता राम कमोद मवासी (किशोर) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सगे चचेरे भाई-बहन हैं दोनों मृतक

दोनों मृतक सगे चचेरे भाई-बहन हैं। जिसकी सूचना मिलते ही बरौंधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनो शवों को फांसी के फंदे से नीचे उतारा। शुरुआती विवेचना के बाद शवों को बरौंधा स्थित मर्चुरी ले जाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके उपरांत शवों को परिजनों को सौंप दिया गया।

अभी तक अज्ञात है घटना का कारण- फिलहाल इस दुखद घटना का सटीक कारण अज्ञात है। गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजन गहरे सदमे में हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। बरौंधा थाना प्रभारी के मुताबिक पुलिस सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

# स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता विंदु दारा सिंह

## युवा कलाकारों को मंच से शुरुआत करनी चाहिए

इंदौर। मेरे करियर का हर अनुभव एक सीख रहा है, और अब मैं नए कलाकारों को मंच देने और मार्गदर्शन देने की दिशा में भी काम कर रहा हूं। थिएटर में काम करने का गोल्डन चांस मुझे बहुत बाद में मिला। मैंने कई फिल्में कीं, लेकिन थिएटर में काम कर सबसे ज्यादा आनंद आता है। युवा कलाकारों को मंच से शुरुआत जरूर करनी चाहिए।

यह बात फिल्म अभिनेता विंदू दारा सिंह ने स्टेट प्रेस क्लब, मप्र द्वारा आयोजित रूबरू कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में उन्होंने अपने फिल्मी सफर, व्यक्तिगत अनुभवों और भावनात्मक यादों को शहर के पत्रकारों और थिएटर कलाकारों के साथ साझा किया। कार्यक्रम में श्री सिंह अपने दिवंगत मित्र और सह-कलाकार मुकुल देव को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने नम आंखों से कहा, मुकुल न सिर्फ बेहतरीन कलाकार थे, बल्कि एक सच्चे दोस्त भी थे। उनकी यादें हमेशा दिल में रहेंगी।

श्री सिंह की आगामी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के बारे में सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस फिल्म को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। यह दर्शकों के लिए एक खास अनुभव बनने जा रही है क्योंकि इस फिल्म में कई रोचक मोड़ होंगे और दर्शकों को एक बार फिर दमदार एक्शन और इमोशन का मिश्रण देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के कलाकारों की प्रतिभा बेहद सराहनीय है बस उन्हें सही मंच की जरूरत है। अपने फ़िल्मी सफ़र के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे अब तक 100 से अधिक फिल्मों, टीवी शो और अवॉर्ड समारोहों का हिस्सा बन चुके हैं।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व फिल्म अभिनेता विंदू दारा सिंह ने पित्रेश्वर हनुमान मंदिर पहुंच कर दर्शन किए।

इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में अपने माता-पिता के नाम पर पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि हनुमानजी से मेरी गहरी आस्था जुड़ी है। इंदौर की स्वच्छता, सादगी और आध्यात्मिकता इतनी खास है कि हर बार यहां आने का मन करता है।

# प्रदेश के विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा पर होगा दो दिवसीय उत्सव

इंदौर। प्रदेश के सभी विद्यालयों में 10 जुलाई गुरूवार को गुरू पूर्णिमा के मौके पर 2 दिवसीय उत्सव का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन 9 और 10 जुलाई को होगा। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। निर्देश में कहा गया है कि पहले दिन 9 जुलाई को विद्यालय में प्रार्थना सभा के बाद शिक्षकों द्वारा गुरू पूर्णिमा के महत्व और पारंपरिक गुरू-शिष्य संस्कृति के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जायेगी। विद्यालय में प्राचीन काल में प्रचलित गुरूकुल व्यवस्था एवं उसका भारतीय संस्कृति में प्रभाव विषय पर बच्चों के बीच में निबंध लेखन प्रतियोगिता की जायेगी। विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि आयोजन के दौरान साधु-संतों, गुरूजनों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और नागरिकों को आमंत्रित किया जाये। इन आयोजन में विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जा सकता है। पूर्व विद्यार्थी अपने शाला जीवन के अनुभव को विद्यार्थियों के बीच साझा करेंगे। उत्सव के दूसरे दिन 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के दिन प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में वीणा वादिनी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर गुरू वंदना की जायेगी। विद्यालयों में पदस्थ शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा गुरू की महिमा पर केन्द्रित व्याख्यान होंगे। इसी के साथ इस दिन गुरूजनों एवं शिक्षकों का सम्मान भी किया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों में भारतीय मूल्यों संस्कृति आधारित शिक्षा के लिये कई उल्लेखनीय कदम उठाये गये हैं। उनमें से एक विद्यालयों में गुरू पूर्णिमा का आयोजन किया जाना भी एक है।

## बनेड़िया तालाब को मत्स्य पालन हेतु पट्टे पर दिये जाने हेतु इच्छुक समिति/समूह/व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित

इंदौर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया है कि जिला पंचायत इंदौर स्वामित्व के बनेड़िया (देपालपुर) सिंचाई तालाब औसत जल क्षेत्र 417.00 हेक्टेयर को मत्स?य पालन/?सिंघाडा फसल हेतु 10 वर्षीय पट्टे पर दिया जाना है। इच्छुक समिति/समूह/व्यक्ति अपने आवेदन पत्र 16 जुलाई 2025 तक जिला पंचायत कार्यालय इंदौर में प्रस्तुत कर सकते हैं। समयसीमा समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। तालाब पट्टे पर देने संबंधी निर्देश एवं नियम मध्यप्रदेश शासन मछली पालन नीति अनुसार रहेंगे।

## जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार पाने का सुनहरा मौका

इन्दौर। राज्य शासन की मंशा अनुसार जिले के बेरोजगार शिक्षित युवक-युवतियों हेतु युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उदेश्य से एक संयुक्त रोजगार मेला (युवा संगम) आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन 07 जुलाई 2025 सोमवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, नन्दानगर इन्दौर में किया जा रहा है।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरे अवसर के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रकिया बाबत मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनीयां जैसे फार्मा ग्रोथ, औशियन मोटर्स, निलान्चल इन्फा, श्यामटाटा मोटर्स, आईसेक्ट, मिग्मा पेट्रोन, एयर विन्सीबल, डीटी इण्डस्ट्रीज, शैफाली बिजनेश सोल्यूसन आदि के 550 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन हेतु उपस्थित रहेगी।

# मेघदूत गार्डन के सामने सड़क में हुए गड्ढे की घटना की नगर निगम आयुक्त ने कराई जांच

इंदौर। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा मेघदूत गार्डन के सामने सड़क में अचानक हुए गडढे को लेकर अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, अधीक्षण यंत्री श्री डीआर लोधी को मौका मुआयना कर जांच करने के निर्देश दिये गये थे।

उक्त घटनाक्रम के पश्चात अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया एवं अधीक्षण यंत्री श्री डी.आर. लोधी द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण की जांच करने पर पाया कि भारती एयरटेल कंपनी की ठेकेदार फर्म स्टेलाईट प्रायवेट लिमिटेड के प्रोपाईटर जगदीश शर्मा द्वारा बिना निगम अनुमति लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल डालने के दौरान उपचारित जल की पाईप लाईन को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया।

जांच दल द्वारा यह भी बताया गया कि उपचारित जल की पाईप लाईन उक्त लापरवाही पूर्ण तरीके से डाली जाने वाली एचडीडी पाईप के कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त होने से लाईन में लीकेज हुआ एवं मिटटी कटाव एवं धंसने के कारण देखते ही देखते गड्ढा बड़ा होता चला गया।

आयुक्त श्री वर्मा द्वारा संबंधित फर्म के विरूद्ध कडी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये, जिसके तहत ऑप्टिकल फाईबर केबल के तीन बंडल एवं अन्य सामग्री (जिसकी कीमत लगभग 60 हजार रूपये) मौके से जब्त की गई तथा संबंधित ठेकेदार कंपनी से राशि 3 लाख रूपये वसूल किए जाने हेतु संबंधित फर्म को नोटिस भी जारी किया गया।

# मध्य प्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 11 जुलाई को इंदौर में आयोजित होगा

## मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे मुख्य अतिथि

इंदौर। राज्य में होटल इंडस्ट्री, पर्यटन, निवेश, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों को नई गति देने के उद्देश्य से आगामी 11 जुलाई को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इस उच्चस्तरीय आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से शामिल होंगे और देशभर से आए संबंधित क्षेत्र के निवेशकों, उद्योगपतियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

कॉन्क्लेव की तैयारियों को लेकर आज संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। उन्होंने नगर निगम, स्मार्ट सिटी, आईडीए, मेट्रो, पर्यटन व अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समयसीमा में पूरी की जाएं और किसी भी स्तर पर कोताही न हो। वर्षा को देखते हुए तैयारी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए दायित्व भी सौपें।

कॉन्क्लेव में देशभर से 1500 से अधिक उद्योगपति, रियल एस्टेट, होटल इंडस्ट्री और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधि, निवेशक आदि शामिल होंगे। आयोजन के दौरान एक भव्य प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन में क्रेडाई, होटल इंडस्ट्री, टूरिज्म, नगर निगम, आईडीए, स्मार्ट सिटी, मैट्रो, हुड़को, एलआईसी, हाउसिंग बोर्ड आदि की व्यापक भागीदारी रहेगी। प्रदर्शनी में इनसे संबंधित योजनाएं व प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए जाएंगे।

## महिलाओं को रात की पाली में कारखानों में काम करने की विशेष अनुमति

इंदौर। पुख्ता सुरक्षा उपायों और विशेष नियम एवं शर्तों को लागू करने की अनिवार्यता के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने महिलाओं को दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों और कारखानों में रात की पाली (नाइट शिफ्ट) में काम करने की अनुमति दी है। संस्थानों में महिला श्रमिकों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण दिया जाएगा।

राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 1958 एवं कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत महिला श्रमिकों को कुछ शर्तों के साथ कार्य करने की अनुमतिदी है। इस संबंध में श्रम विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गए है।

दुकानों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं के लिए जरूरी निर्देश- दुकानों एवं वाणिज्यिक स्थापनाओं में रात्रि पाली में 9 बजे से सुबह 7 बजे तक कार्य करने के लिये नियोजकों को महिला श्रमिकों की लिखित सहमति लेना अनिवार्य होगा। कम से कम 5 महिला श्रमिक के समूह में ही उन्हें कार्य पर लगाया जाएगा। कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण, शौचालय, वॉशरूम, पेयजल और विश्राम कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इन सुविधाओं तक आवागमन का मार्ग अच्छी तरह से प्रकाशित तथा सीसीटीवी की निगरानी में होगा। जहां 10 या अधिक महिलाएं कार्यरत हों, वहां महिला सुरक्षाकर्मियों (गार्डस) की व्यवस्था करनी होगी एवं विश्राम कक्ष भी उपलब्ध कराया जायेगा। सभी प्रतिष्ठानों को लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के प्रावधानों का पूर्ण पालन करना होगा।

# नगर निगम आयुक्त श्री वर्मा ने भवन अनुज्ञा शाखा की समीक्षा बैठक ली

## नवनियुक्त भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षकों के साथ की बैठक

इंदौर। नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा आज इंदौर स्मार्ट सिटी कार्यालय में नगर निगम के समस्त भवन अधिकारियों एवं भवन निरीक्षकों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, उपायुक्त भवन अनुज्ञा श्री शैलेश अवस्थी,निगम अभिभाषक श्री ऋषि तिवारी, समस्त भवन अधिकारी, भवन निरीक्षक एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत लंबित भवन अनुज्ञा प्रकरणों की जोनवार समीक्षा करना एवं आगामी त्योहारों एवं आयोजनों के परिप्रेक्ष्य में शहर में स्थित खतरनाक एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध की जाने वाली रिमूवल कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करना था।

आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने नवनियुक्त भवन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जोन में लंबित भवन अनुज्ञा से संबंधित सभी प्रकरणों की प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करें।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना निगम की प्राथमिकता है, जिसके लिए अधिकारी गणों को तत्परता से कार्य करना होगा। इसके अतिरिक्त, आगामी धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त द्वारा शहर में स्थित जर्जर एवं खतरनाक भवनों के विरुद्ध रिमूवल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान निगम अभिभाषक श्री ऋषि तिवारी की उपस्थिति में समस्त भवन अधिकारियों एवं निरीक्षकों को भवन अनुज्ञा प्रक्रिया, नोटिस जारी करने की विधिक प्रक्रिया तथा जर्जर भवनों के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया पर आधारित एक ओरिएंटेशन प्रेजेंटेशन भी दिया गया। इसका उद्देश्य अधिकारियों को नियम एवं विधियों की पूरी जानकारी देकर कार्रवाई को विधिसम्मत एवं प्रभावी बनाना था।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

# खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा रेस्टोरेंट और भोजनालय की जांच की गई

**श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हाईजेनिक खाद्य पदार्थ की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये गये**

उज्जैन । कलेक्टर रौशन सिंह के द्वारा श्रावण मास में श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हाईजेनिक खाद्य पदार्थ की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये गये है, जिस पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर के आस पास स्थित रेस्टोरेंट, भोजनालय, होटल पर जांच की जा रही है।रविवार को दशभुजा भोजनालय, जैन भोजनालय, माँ चामुण्डा भोजनालय, महाकाल रेस्टोरेंट एण्ड नमकीन भण्डार एवं श्री बडा गणेश भोजनालय की जांच की गई। महाकाल रेस्टोरेंट एण्ड नमकीन भण्डार से दही एवं श्री बडा गणेश भोजनालय से पनीर का नमूना लिया जाकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये एवं महाकाल रेस्टोरेंट एण्ड नमकीन भण्डार पर खाद्य पदार्थ खुले में रखे पाये जाने पर एवं स्वच्छता पर्याप्त नहीं होने पर, कर्मचारियों द्वारा केप एपरिन नहीं पहनना, कर्मचारियों का मेडिकल नहीं पाये जाने, पेस्ट कंट्रोल, श्री बडा गणेश भोजनालय पर खाद्य पदार्थ का रखरखाव सही नहीं होना, खाद्य पदार्थ खुले में रखे पाये जाने पर एवं स्वच्छता पर्याप्त नहीं होने पर, कर्मचारियों द्वारा केप एपरिन नहीं पहनना, कर्मचारियों का मेडिकल नहीं पाये जाने, पेस्ट कंट्रोल न पाये जाने से नोटिस जारी किये गये।

# पल-पल स्टेटस पर जाना, सोशल मिडिया पर हर बात बताना - प्रफुल्ल शुक्ला सरकार

उज्जैन। नगर की ख्यात साहित्यिक संस्था ग़ज़लांजलि की काव्य-गोष्ठी डॉ. सखा पाहवा के निवास पर आयोजित की गई। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में सर्व प्रथम दीप प्रज्ज्वलित किया गया। वर्षा ऋतु की फुहारों के बीच काव्य पाठ करते हुए, प्रफुल्ल शुक्ला सरकार ने सोशल मिडिया के बढ़ते प्रभाव पर कविता पल-पल स्टेटस पर जाना, सोशल मिडिया पर हर बात बताना, फैशन हो गया है... पढ़ी।

रिश्ते वे नहीं जो रिसते हैं, रिश्ते वे भी नहीं जो रीसते हैं... दिलीप जैन ने रिश्तों को परिभाषित करते हुए कविता पढ़ी। मौसम के अनुरूप कविता पढ़ते हुए सत्यनारायण सत्येन्द्र ने कहा आजा साजन सावन बीते, बरसे मेघा, नाचे मनवा, कोयल कुहुके मयूर चहके बादल गरजे आजा... वहीं प्रकृति पर आधारित साँझी बेला दीप प्रज्वलन समक्ष तुलसी वृन्दावन, साँझ तारे का दर्शन कर फिर निशा से आलिंगन... कविता रामदास समर्थ ने पढ़ी। प्रीति से प्रकृति को जोड़ता गीत सरसराती पत्तियों से जोड़कर नाता, प्रीति का लेकर मधुर सुर गीत गाता जा... अशोक रक्ताले ने सुनाया तो वहीं शायर आशीष अश्क ने पता चलता ये जीवन बीतने पर, पता जो है बहुत ही कम पता है... ग़ज़ल पढ़ी। आशाओं पर हैं टँगा हुआ मानव का यह जीवन, मृग मरीचिका में भटके तन डोली पर बैठा मन... गीत डॉ. आर. पी तिवारी ने पढ़ा। डॉ. अखिलेश चौरे ने कभी तो जम के बरस जल भरे बादल की तरह...ग़ज़ल पढ़ी। हमारी पोशाक हमारा आहार बाज़ार तय करता है, अब कैसा हो हमारा संसार बाज़ार तय करता है ... डॉ. विजय सुखवानी की ग़ज़ल से कार्यक्रम समापन हुआ।

## असंगठित ई रिक्शा चालक परिचालक संघ की जिला कार्यकारिणी भंग

उज्जैन। असंगठित ई रिक्शा चालक परिचालक संघ की बैठक हनुमान मंदिर इंदौर टैक्सटाईल्स परिसर में आयोजित की गई। जिसमें पूरे साल कार्यकारिणी का कोई कार्य नहीं होने से जिला कार्यकारिणी भंग की गई। साथ ही एडाप्ट कमेटी का गठन किया गया।

संस्थापक लक्ष्मीनारायण रजक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ई रिक्शा चालकों की समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही एडाप्ट कमेटी का गठन किया जिसमें सर्वसम्मति से भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख सतीश शर्मा, अध्यक्ष मनीष कारपेंटर, हाफिजभाई उर्फ बाबू भाई, लक्ष्मीनारायण, बल्लू सिंह ठाकुर, बरखा कटियार, कालूराम चौहान, प्रकाश त्रिवेदी, संजयसिंह चौहान, विजय जैन को बनाया गया।

## श्रावण में महाकाल मंदिर आने वाली वास्तविक कांवड़ कौन सी?

उज्जैन। श्रावण मास गुरु पुर्णिमा के अगले दिन शुक्रवार से शुरू होगा। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए शिव भक्त श्रद्धालु पुजा, पाठ, जप और व्रत करते है।

महाकाल सेना धर्म प्रकोष्ठ प्रमुख महेन्द्र सिंह बैंस ने कहा कि श्रावण में कांवड़ यात्रा का बहुत महत्व है। पुराणों में उल्लेख है कि माता पार्वती ने हिमालय से कैलाश तक शुद्धता पूर्वक नंगे पैर चलकर लगभग 150 किलोमीटर तक कांवड़ यात्रा कर भगवान शिव को जल अर्पित किया था। लेकिन वर्तमान में लोगों ने कांवड़ का मूल स्वरूप ही बदल दिया हैं क्योंकि प्रत्येक वर्ष यह देखा जाता है कि एक महामंडलेश्वर संत त्रिवेणी उज्जैन से नाचते गाते कांवड़ लेकर आते हैं और महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में जाकर जल चढ़ाने की अनुमति प्राप्त कर लेते है, जो न्यायसंगत नहीं हैं क्योंकि आम शिव भक्त जो वास्तविक रूप से कांवड़ के सभी नियमों का पालन करते हुए कांवड़ लेकर आते हैं और वह जल नहीं चढ़ा पाते तो उनकी भावना आहत होती है। श्रावण में कांवड़ के नाम से महाकाल मंदिर के गर्भगृह में जाकर जल चढ़ाने जाने वाले लोग महामंडलेश्वर के रूप में जल चढ़ाते है या कांवड़ मुखिया के रूप में स्पष्ट हो।

महाकाल सेना महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति से मांग करती हैं कि श्रावण मास में महाकाल मंदिर आने वाली उन्हीं कांवड़ यात्राओं के दो मुखियाओं को जल चढ़ाने की अनुमति दी जावे जो वास्तविक रूप से 150 किलोमीटर की यात्रा कर गंगा या नर्मदा नदी का जल लेकर आते हैं।

नगर के आस पास 10 किलोमीटर के जलाशयों या अन्य स्थानों से कांवड़ लेकर आने वाले लोगों को कांवड़ यात्री नहीं माना जा सकता और यदि इन्हें कांवड़ यात्री माना जाता हैं तो यह सनातन धर्म के विरुद्ध होगा।

# ई अटेंडेंस संघर्ष मोर्चा द्वारा डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया गया

उज्जैन- आज ई अटेंडेंस संघर्ष मोर्चा द्वारा उज्जैन क्लब हाउस उज्जैन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था (ई-अटेंडेंस) के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया गया। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि यह प्रणाली कर्मचारी/शिक्षकों की गरिमा, व्यावसायिक स्वतंत्रता और कार्य की प्रकृति के खिलाफ है। मोर्चा के पदाधिकारी जिला संयोजक श्री मनोहर गिरी, एवं अध्यक्षीय मंडल के ओपी यादव, डॉ. कैलाश बारोह, शेख मोहम्मद हनीफ, प्रेमप्रकाश पंड्या ने बताया कि अधिकारियों द्वारा शिक्षकों पर अनावश्यक निगरानी थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था के मूलभूत ढांचे को प्रभावित करता है। शिक्षकों की भूमिका केवल उपस्थिति दर्ज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हमारा का मानना है कि:ई-अटेंडेंस प्रणाली शिक्षकों के शैक्षणिक कार्यों से ध्यान भटकाने वाली है।

कई ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी नेटवर्क और तकनीकी समस्याएं हैं, जिससे सही ढंग से उपस्थिति दर्ज कर पाना संभव नहीं है।

शिक्षकों पर निगरानी का यह तरीका अमानवीय हैं यह व्यवस्था उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाती है। ई अटेंडेंस संघर्ष मोर्चा ने मांग की है कि इस प्रणाली को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की मांग माननीय मुख्यमंत्री महोदय से की जा रही हैं हम, मध्य प्रदेश के लाखों शिक्षक, और कर्मचारी जो इस राज्य की बुनियाद को गढ़ने वाले कर्मयोगी हैं, आज एकजुट होकर आपके सम्मुख यह निवेदन करने को विवश हैं कि हम पर थोपे गए ई-अटेंडेंस सिस्टम ने शिक्षण जैसे गंभीर कार्य को एक ÷दैनिक उपस्थिति की जाँच÷ में बदल दिया है।

यह व्यवस्था न तो ज़मीनी सच्चाई से मेल खाती है, न ही शिक्षकों कर्मचारियों की गरिमा के अनुकूल है। जिन विद्यालयों में बिजली, नेटवर्क, संसाधन, और बुनियादी ढांचा तक नहीं है वहाँ डिजिटल अटेंडेंस की अनिवार्यता एक प्रकार से शिक्षकों को दंडित करने जैसा प्रतीत होता है।

हमारी मुख्य आपत्तियाँ एवं व्यावहारिक समस्याएँः 1. नेटवर्क और तकनीकी अव्यवस्थाः ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में आज भी सिग्नल नहीं आता। वहाँ ई-अटेंडेंस मात्र एक बोझ बन गया है। जबकि सभी कार्यालयों में उपस्थिति और मॉनीटरिंग की पर्याप्त व्यवस्था हैं।

## 8 जुलाई से प्रारंभ होगा तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव

उज्जैन। भारतीय संस्कृति के महानतम गुरू श्री सांदीपनिजी की उज्जैन की गौरवमयी गुरु परंपरा का निर्वहन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्पंदन पारमार्थिक शिक्षा एवं सामाजिक उन्नयन समिति और संजय जैन (गुरुजी) शिष्य मंडल द्वारा अपने मार्गदर्शक, प्रेरणा स्त्रोत, विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु, ज्योतिषज्ञ, वास्तुविद संजय जैन गुरुजी के सम्मान में तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव ÷गुरु वंदना दिवस, गुरु उपकार दिवस सेवा समर्पण, पर्यावरण सरंक्षण और परोपकार की अनेक गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा।

पहले दिन 8 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के तहत शहर के मुख्य मंदिरों में फल, फुल, मिठाई, पूजन सामग्री इत्यादि भेंट कर गुरू पूर्णिमा समारोह के लिए आशीर्वाद लिया जाएगा। 9 जुलाई को गुरु आव्हान, गुरुजी निमंत्रण और गुरु चरणों की वंदना की जाएगी। मुख्य कार्यक्रम होटल अबिका एलाईट, फाजलपुरा में 10 जुलाई को दोपहर 3 बजे से आरम्भ होगा। इस समारोह में भक्तिमय सुंदर काण्ड पाठ और ज्वलंत शर्मा की भव्य भजन संध्या आयोजित की जाएगी। इसके अलावा मुख्यमंत्रीजी के संकल्प के अनुसार पर्यावरण संरक्षण हेतु 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत वृक्षा रोपण और औषधीय पौधों का वितरण कर के की जाएगी। प्रदूषण मुक्ति हेतु कपड़े की थैली के वितरण के साथ सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई जाएगी। आज की ज्वलंत समस्या, ट्रैफिक जागरूकता के लिए रेडियम सेवा सामग्री का भी वितरण किया जाएगा। साथ ही कुछ विशेष समाजसेवको को स्पंदन गौरव सम्मान भी प्रदान किया जाएगा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com